मेन्नोनाइट ब्रद्रन कलीसिया के अन्तरराष्ट्रीय समुदाय के विष्वास का अंगीकार

भाग 1

परमेष्वर संसार में कैसे कार्य करता है?

परमेष्वर, सभी के सर्वसत्ताधारी प्रभु, ने अपने सामर्थी शब्द के द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी की रचना की। परमेष्वर ने मनुष्य, पुरुष और स्त्री को परमेष्वर की संगति में जीने और सृष्टि की देखभाल करने के लिए अपने स्वरूप में बनाया। मनुष्यों ने अनाज्ञाकारिता में परमेष्वर के विरुद्ध विद्रोह करके अपनी स्वतन्त्रता का दुरुपयोग किया, जिसका परिणाम अलगाव और मृत्यु हुआ। परमेष्वर के शासन के विरुद्ध विद्रोह में शैतान की दुष्ट ताकतों, पाप और मृत्यु ने संसार पर नियन्त्रण का दावा किया।

छुटकारा देने वाले परमेष्वर ने एक वाचा के लोगों को स्थापित करने के लिए कार्य किया, जिसका आरम्भ इस्राएल के साथ हुआ। परमेष्वर ने अपने साथ एक सम्बन्ध के साथ जीवन जीने, परमेष्वर की आषीषों को अनुभव करने और संसार के लिए एक ज्योति के समान होने के लिए वाचा के समुदाय को बनाने का प्रयोजन किया। नबियों के द्वारा परमेष्वर ने अपनी व्यवस्था और उद्देष्यों को बताया, और इस बात को प्रकट किया कि परमेष्वर सर्वदा विष्वासयोग्य, न्यायी, धर्मी, पिता के रूप में दयावान और माता के रूप में करुणा करने वाला है।

परमेष्वर ने एक नई सृष्टि की आषा की प्रतिज्ञा की। पिता परमेष्वर ने कुंवारी मरियम से संसार के लिए अपने पुत्र यीषु मसीह को भेजा। यीषु ने पापों से पश्चाताप करने, सताए गए लोगों को स्वतन्त्र कराने और गरीबों को सुसमाचार प्रचार की घोषणा की, और एक नए समुदाय के रूप में अपने मार्ग पर चलने के लिए षिष्यों को बुलाने के द्वारा परमेष्वर के राज्य का आरम्भ किया। यीषु ने संसार के पापों के लिए मरने और सृष्टि के परमेष्वर के साथ पुनर्मेल के लिए दुष्ट की ताकतों को क्रूस लेने के द्वारा प्रत्युत्तर दिया। यीषु ने पाप, मृत्यु और शैतान पर जय प्राप्त की, जब परमेष्वर ने मृतकों में से जीवित करने और परमेष्वर के दाहिने हाथ बैठाने के द्वारा यीषु को निर्दोष सिद्ध किया, जहाँ से वह सन्तों के लिए मध्यस्थी करता और सर्वदा के लिए शासन करता है। पिन्तेकुस्त के दिन परमेष्वर ने पवित्र आत्मा भेजा, जो सृष्टि करने, नबियों को सामर्थ प्रदान करने और वचन को प्रेरणा प्रदान करने में सक्रिय था। आत्मा के द्वारा परमेष्वर ने परमेष्वर के राज्य की घोषणा करने और नई सृष्टि की गवाही देने के लिए कलीसिया, मसीह की देह की स्थापना की। आत्मा उन सभी पर उण्डेला गया है, जो यीषु को स्वीकार करते हैं। वह उन्हें बपतिस्मा देता और उन्हें परमेष्वर की सन्तान के रूप में छुटकारे के लिए भेजता है। वे सभी जो विष्वास करते और यीषु को प्रभु के रूप में अंगीकार करते हैं, उनका मसीह में नया जन्म हुआ है। विष्वासियों को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में वाचा के नए समुदाय में पानी के द्वारा बपतिस्मा दिया जाता है। अनुग्रह के द्वारा विष्वास से वे विपरीत परिस्थितियों में परमेष्वर की शान्ति और प्रेम के साथ जीने के लिए बचाए गए हैं।

कलीसिया परमेष्वर की नई सृष्टि, बदलाव का कारक और मानवता के लिए परमेष्वर के आदर्ष को प्रस्तुत करने के लिए बुलाई गई है। परमेष्वर के लोग प्रत्येक व्यक्ति को पश्चाताप और बदलाव करने, धार्मिकता के प्रचार के खोजी होने, दुख में विष्वायोग्य रहने और ज़रूरतमन्दों के साथ उदारता से बाँटने के लिए बुलाते हैं। वे पाप के द्वारा लाए गए अलगाव को समाप्त करने के लिए पुनर्मेल के कारक के रूप में कार्य करते हैं। प्रभु–भोज में कलीसिया प्रभु की मृत्यु का प्रचार करती और नई वाचा को मनाती है।

यह नई सृष्टि उस समय पूर्ण हो जाएगी, जब मसीह लौट आएगा। वे सभी जिनका सम्बन्ध मसीह के साथ है, नई देह के साथ उठ खड़े होंगे और शैतान और वे सभी जिन्होंने मसीह का इन्कार कर दिया है, अनन्त दण्ड का सामना करेंगे। नया स्वर्ग और नई पृथ्वी अनन्त शान्ति और आनन्द में परमेष्वर के शासन के अधीन होंगे।

वचन से सन्दर्भः उत्प. 1–3; 12:1–3; निर्ग. 6:6–8; भजन. 8; यषा. 49:6; यिर्म. 9:23–24; 31:31–34; होषे 2:19–20; मत्ती 4:17; 25, 46; मर. 8:34–38; लूका 4:18–19; यूहन्ना 3:16; प्रेरितो. 2 रोमि. 8; 1 कुरि. 11:23–32; 12:13; 15; 2 कुरि. 5:17–6:2; इफि. 1:13–14; 2:8–10; 6:10–12; कुलु. 2:12–15; 1 थिस्स. 4:13–5:11; 1 तीमु. 3:16–17; इब्रा. 7:25; प्रका. 21–22।

भाग 2

मेन्नोनाइट ब्रद्रन परमेष्वर के उद्देष्य के लिए प्रत्युत्तर कैसे देते हैं?

मेन्नोनाइट ब्रद्रन कलीसिया की जड़ें 16 शताब्दी के रिफॉर्मेषन के एनाबैप्टिस्ट आन्दोलन से रही हैं। यह एक ऐसा आन्दोलन था, जिसने नया नियम की कलीसिया के विष्वास और जीवन को पुनः प्राप्त करने का प्रयत्न किया। मेन्नोनाइट ब्रद्रन कलीसिया का जन्म 1860 में रूस में मेन्नोनाइट नवीकरण में हुआ। वर्ल्ड मिषन और प्रवास ने एक ऐसी कलीसिया को उत्पन्न किया है, जो सम्पूर्ण संसार में सक्रिय है। सम्पूर्ण संसार में मेन्नोनाइट ब्रद्रन संगति के रूप में हम स्वयं को परमेष्वर के लोग होने के लिए समर्पित करते हैं।

बाइबल के लोग

बाइबल परमेष्वर का अधिकार रखने वाला वचन और विष्वास और जीवन के लिए अचूक गाइड है।

• संसार के प्रति दृष्टिकोण। बाइबल हमें संसार को समझने के लिए रूपरेखा उपलब्ध करवाती है।

• व्याख्या। हमारी व्याख्या मसीह पर केन्द्रित है। हम वचन को नया नियम के दृष्टिकोण से पढ़ते हैं। यीषु मसीह का व्यक्तित्व, षिक्षा और जीवन पुराना और नया नियम में निरन्तरता और स्पष्टता लाता है।

• व्याख्या का समुदायः प्रत्येक विष्वासी को आज्ञापालन के लिए परमेष्वर की इच्छा को पहचानने के लिए बाइबल को समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसलिए कि पवित्र आत्मा सभी विष्वासियों में विद्यमान और सक्रिय है, हम बाइबल पढ़ते, इसकी व्याख्या करते और आज के समुदाय में इसकी माँग प्रकट करते हैं।

वचन से सन्दर्भः भजन. 1;19; 119; मत्ती 5–7; लूका 24:27; 44:49; 2 तीमु. 3:14–17; इब्रा. 1:1–2; प्रेरितों. 2:42; 15:1–29; 17:11; कुलु.3:1–4; 1 पत. 1:10–12।

जीवन की नई रीति के लोग

परमेष्वर के अनुग्रह के द्वारा पवित्र आत्मा लोगों को बदलाव, षिष्यता और लगातार नवीकरण के द्वारा जीवन को नई रीति से जीवन के लिए बुलाता है।

• बदलाव। मसीही बदलाव नए जन्म के साथ आरम्भ होता है और इसमें सर्वदा ही जान बूझ कर किया गया व्यक्तिगत समर्पण सम्मिलित होता है। मसीहियों के रूप में हमें इन बातों से फिरने के लिए बुलाया गया हैः

–परमेष्वर के साथ टूटे हुए सम्बन्ध से वास्तविक परमेष्वर के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध की ओर।

–पाप और पुरानी गलतियों के बन्धन से क्षमा और चंगाई की आज़ादी की ओर।

•षिष्यता। मसीह में उद्धार और सदाचार एक–साथ आते हैं। मसीहियों के रूप में इन बातों के लिए बुलाया गया हैः

–व्यक्तिवाद से कलीसिया में अन्य लोगों के साथ एक–दूसरे का सहारा होने के लिए और

–प्रतिदिन के जीवन में स्वयं को यीषु के जीवन और उसकी षिक्षाओं के प्रति विष्वायोग्य प्रमाणित करने के लिए।

• नवीकरण। पवित्र आत्मा प्रत्येक विष्वासी में वास करता है और हमारे परमेष्वर की सन्तान होने की पुष्टि करता है और गवाही और सेवा का जीवन जीने के लिए लगातार नवीकरण और शुद्धिकरण प्रदान करता है।

वचन से सन्दर्भः यषा. 43:1; मर. 8:34–38; यूहन्ना 1:12–13; 3:5–8; 14:15–16; 26; रोमि. 8; 1 कुरि. 4:2; कुलु. 3:1–4; तीतुस 3:3–7।

वाचा के समुदाय के लोग

कलीसिया, वाचा के समुदाय में विष्वासी एक–साथ आराधना करने, यीषु के द्वारा हमें सिखाए गए रूप में प्रार्थना करने, संगति करने और एक–दूसरे की देखभाल करने के लिए स्वयं को समर्पित करते हैं।

• विष्वासी का बपतिस्मा। सभी संस्कृतियों, राष्ट्रों और भाषाओं से लोग, जो आज्ञाकारी षिष्यों के रूप में यीषु के पीछे चलने के इच्छुक हैं, यीषु मसीह को उद्धारकर्त्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार करते हैं और कलीसिया की संगति में उन्हें बपतिस्मा दिया जाता है। मेन्नोनाइट ब्रद्रन कलीसिया पानी में डुबा (इमरज़न) कर बपतिस्मा देती है।

• प्रभु भोज। प्रभु भोज में कलीसिया मानवता के छुटकारे के लिए दिए गए यीषु के जीवन का अंगीकार करती और उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान का प्रचार करती है, जब तक वह लौट नहीं आता। यादगार का यह भोज मसीह के साथ सभी विष्वासियों के पुनर्मेल, संगति, शान्ति और एकता को प्रकट करता है।

• जबावदेही। कलीसिया परमेष्वर की इच्छा को प्रकट और सही और गलत की पहचान करती है। सभी विष्वासी एक दूसरे को विष्वास में मसीह जैसा आचरण रखने के लिए सभी विष्वासियों को जवाबदेह ठहराते हैं। जवाबदेही का उद्देष्य पश्चाताप के द्वारा चंगाई और पुनर्स्थापना करना होता है, न कि दण्ड देना और नीचा दिखाना। कलीसिया उन लोगों को कलीसिया से बाहर कर देती है, जो निरन्तर आज्ञा का पालन नहीं करते हैं।

• सभी विष्वासियों का पुरोहितपन। परमेष्वर का आत्मा सभी विष्वासियों को सेवा और यीषु की देह के विकास के लिए उपहार प्रदान करता है। कलीसिया परमेष्वर की बुलाहट को पहचानती और उन सेवक–अगुवों की पुष्टि करती है, जो लोगों को सेवकाई के लिए तैयार करते हैं।

वचन से सन्दर्भः मत्ती 16:13–20; 18:15–20; 28:18–20; प्रेरितों. 2:37–47; रोमि. 6:3–4; 1 कुरि. 11:23–32; 12–14; इफि. 4:11–16; कुलु. 2:12–13; इब्रा. 10:24–25; 1 पत. 2:9–10; 4:10–11।

पुनर्मेल के लोग

यीषु परमेष्वर के राज्य की घोषणा करते हुए आया। यीषु का मिषन परमेष्वर के साथ, एक–दूसरे के साथ और संसार के साथ लोगों का पुनर्मेल करवाना था। कलीसिया को परमेष्वर के मिषन में सहभागिता करने के लिए बुलाया गया है।

• मिषन। मसीह ने कलीसिया को सभी राष्ट्रों से षिष्य बनाने, उन्हें बपतिस्मा देने और उन्हें उसकी आज्ञाओं की षिक्षा देने और उन्हें मानने की आज्ञा दी है। यीषु षिक्षा देता है, कि षिष्यों को सुसमाचार सुनाने और प्रेम और करुणा के कार्य करने के द्वारा

परमेष्वर और अपने पड़ोसी से प्रेम करना है। इसलिए कि यीषु ही उद्धार का एकमात्र मार्ग है, तभी सभी विष्वासियों को सुसमाचार प्रचार की आज्ञा दी गई है।

• शान्ति की गवाही। शान्ति और पुनर्मेल मसीही सुसमाचार का केन्द्र हैं। यीषु विष्वास के समुदाय को प्रत्येक परिस्थिति में शान्ति की स्थापना करवाने वाले होने के लिए बुलाता है। हम विष्वास करते हैं, कि परमेष्वर के साथ शान्ति में पुनर्मेल के उस मार्ग के प्रति समर्पण सम्मिलित है, जिसका उदाहरण शान्ति के राजकुमार के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। मसीहियों के रूप में हमें इन बातों से फिरने के लिए बुलाया गया हैः

–उन जीवनषैलियों का चुनाव करने से, जो हमारे लिए जोखिम से भरी हुई हैं, उन चुनावों की ओर, जो सम्पूर्णता, चंगाई, आनन्द और शान्ति का पोषण करते हैं।

–षत्रुओं से घृणा करने और अपने पड़ोसियों को अनदेखा करने से सभी को प्रेम और न्याय का प्रदर्षन करने की ओर।

• परिवार। परमेष्वर विवाह न करने, विवाह करने और परिवार को आषीषित करता है। परमेष्वर सभी लोगों को यौन रूप से एक पवित्र जीवन जीने के लिए बुलाता है। विवाह एक स्त्री और पुरुष में सम्पूर्ण जीवन के लिए बान्धी गई वाचा के प्रति समर्पण है। परमेष्वर की आज्ञाओं को मानने वाले माता–पिता अपने बच्चों को विष्वास के प्रति निर्देष देते हैं। कलीसिया पारिवारिक जीवन का पोषण करती और टूटे हुए सम्बन्धों में पुनर्मेल करवाने के लिए प्रत्येक सम्भव प्रयास करती है।

• शासन/राज्य। परमेष्वर ने शासन को सभी लोगों की भलाई की ज़िम्मेदारी प्रदान की है। यीषु के पीछे चलने वाले शासन के अधिकारियों का सम्मान करते और उनके लिए प्रार्थना करते हैं, किन्तु वे उस सम्मान को उन्हें देने से इन्कार कर देते हैं, जो परमेष्वर को दिया जाना है। सभी मसीहियों का आज्ञापालन सर्वप्रथम मसीह के राज्य और उसकी वैष्विक कलीसिया के प्रति होना आवष्यक है। प्रत्येक शासन और समाज में मसीही लोग कमज़ोरों की रक्षा करने, विवादों को कम करने, गरीबों की देखभाल करने, न्याय, शान्ति और सत्य को बढ़ावा देने के लिए सहयोग देते हैं।

वचन से सन्दर्भः मत्ती 5–7; 22: 34–40; 18–20; 10:25–37; रोमि. 12:17–13,10; 2 कुरि. 5:17–6,2; इफि. 2; 5:21–6:4; 1 तीमु. 2:1–6; याकूब 2; 1 पत. 2:21–25।

आषा के लोग

कलीसिया प्रवेष कर रहे परमेष्वर के राज्य से सम्बन्ध रखती है। परमेष्वर के राज्य के नागरिक एक वैकल्पिक समुदाय का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, और ऐसा करने के द्वारा दुष्ट मूल्यों को चुनौती देते हैं। परमेष्वर के लोग न्याय के लिए सन्घर्ष में सम्मिलित होते हैं, इस बात को जानते हुए कि पाप, दोष और मृत्यु जयवन्त नहीं होंगे, वे सताव का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इस आषा के प्रति दृढ़ निष्चयी हो कर कलीसिया तब तक मिषन में लगी हुई है, जब तक मसीह लौट नहीं आता। और उन्हें इस निष्चय के साथ सामर्थी बनाया गया है, कि परमेष्वर एक नए स्वर्ग और पृथ्वी की रचना करेगा।

वचन से सन्दर्भः मत्ती 5:10–12; 10:7; 13:24–25; मर. 1:15; 13; लूका 17:20–37; 21:5–26; तीतुस 2:11–14; प्रका. 21–22।

एक ऐतिहासिक नोटः आईसीओएमबी (मेन्नोनाइट ब्रद्रन का अन्तरराष्ट्रीय समुदाय) ने 1997 के जनवरी महीने में कोलकाता, भारत में इस प्रष्न को सम्बोधित किया "सम्पूर्ण संसार में मेन्नोनाइट ब्रद्रन का क्या विष्वास है?" अक्तूबर 2001 में कूरीटिबा, ब्राज़ील में आईसीएमओबी ने एक सात सदस्यों वाली विष्वास के अंगीकार की एक टास्क फोर्स को मेन्नोनाइट ब्रद्रन के विष्वास का सारांष लिखने की आज्ञा दी। इसके बाद जुलाई (2002) के दौरान यूनाईटिड स्टेट्स और कनाडा में मेन्नोनाइट ब्रद्रन के सम्मेलनों में एषिया, अफ्रीका, यूरोप, दक्षिण और उत्तर अमेरिका से टास्क फोर्स के सदस्य अब्बोट्सफोर्ड में एक साथ एकत्र हुए। इस टास्क फोर्स ने वर्तमान विष्वास के अंगीकार की अध्ययन–सामग्री की जाँच की और उन विषेष प्रष्नों पर ध्यान दिया जिनका सामना मेन्नोनाइट ब्रद्रन पूरे संसार भर में कर रहे हैं।

इस अन्तरराष्ट्रीय टीम ने एक दो भागों वाला प्रपत्र तैयार किया। पहला भाग "परमेष्वर संसार में कैसे कार्य करता है?" के विषय में है और इसमें परमेष्वर द्वारा सृष्टि करना, पाप और परमेष्वर की पुनः सृष्टि का उल्लेख है। परमेष्वर के कार्य थियोलोजी के लिए एक एषिया और अफ्रीका के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं।

दूसरा भाग कलीसिया के पाँच मुख्य मूल्यों का वर्णन करने के द्वारा "मेन्नोनाइट ब्रद्रन परमेष्वर के उद्देष्य के लिए प्रत्युत्तर कैसे देते हैं?" प्रष्न का उत्तर देता है।

इस टास्क फोर्स ने 19 जुलाई 2001 को आईसीओएमबी को अपने कार्य का पहला प्रारूप प्रस्तुत किया। आईसीओएमबी ने टास्क फोर्स को इस संषोधित प्रारूप को विष्वास और जीवन के सभी 17 राष्ट्रीय बोर्ड और सम्मेलन की प्रत्रिकाओं में भेज देने को कहा। टास्क फोर्स आईसीओएमबी के प्रतिनिधियों के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए 2003 में बिलेफिल्ड, जर्मनी में एकत्र हुई और उसी वर्ष जिम्बावे में भी। अनुवाद पूर्ण किए गए और सम्मेलन के सदस्यों में बाँट दिए गए। जून 2004 में पराग्वे में हुई सभा के प्रतिनिधियों ने प्रत्येक राष्ट्रीय सभाओं से सुना और उन सभी ने टास्क फोर्स द्वारा दिए गए विष्वास के अंगीकार का समर्थन किया। इसलिए 2004 में यह प्रपत्र आईसीओएमबी और इस विषय में सभी 17 सम्मेलनों के सदस्यों का आधिकारिक विष्वास का अंगीकार बन गया। सामान्य विष्वास के अंगीकार का उद्देष्य उनकी संस्कृतियों के अनुसार विषेष विष्वास का अंगीकार बनाने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलनों को निर्देष देना और राष्ट्रीय कलीसिया के लिए मेन्नोनाइट ब्रद्रन की स्थितियों को बताना है, जिन्होंने इस संस्था में सम्मिलित होने के लिए पूछताछ की है।

टास्क फोर्स के सदस्यः

मेन्नो योएल (भारत),
लिन्न जोस्ट (यूएसए),
ताकाषी मनाबे (जापान),
एल्फर्ड न्यूफील्ड (पैराग्वे),
आर्थर डयूक (ब्राज़ील),
पास्कल टी. कुलुंगु (कॉन्गो),
हेनरिक क्लास्सेन (जर्मनी)।